मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश

संख्या:डीजी-परिपत्र-51 /2015 दिनांक:जुलाई 20, 2015

सेवा में,

समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक,
प्रभारी जनपद उत्तर प्रदेश ।

विषय: प्रदेश में साम्प्रदायिक सौहार्द्र बनाये रखने हेतु जनपदों में एस-7 एवं एस-10 की कमेटी गठित किये जाने के सम्बन्ध में।

आप अवगत है कि प्रदेश के ग्रामों एवं शहरी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के विवाद होते रहते हैं, जिसके निस्तारण में पुलिस अपनी भूमिका का निर्वहन करती है, किन्तु पुलिस की उक्त भूमिका की एक सीमा है और उस भूमिका में स्थानीय स्तर पर सकिय योगदान के लिए यदि जनपद के सम्भ्रान्त व्यक्तियों का भी सहयोग लिया जाये तो विवादों के निपटारे अधिक कुशलता से किये जा सकते है, जिसके फलस्वरूप आम व्यक्ति को थाने एवं न्यायालय जाने में होने वाली कठिनाईयों से बचने का एक विकल्प भी उपलब्ध रहेगा। इसके साथ ही पुलिस मित्र और सामुदायिक पुलिसिंग जैसी आवश्यक एवं औचित्यपूर्ण प्रणाली का व्यवहारिक सदुपयोग भी हो सकेंगा।

2. इसी दृष्टिकोण से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बुलन्दशहर द्वारा उनके जनपद में विवादों के निस्तारण में सहयोग देने हेतु कमशः एस-7 एवं साम्प्रदायिक सौहार्द्र बनाये रखने में सहयोग देने हेतु एस-10 इन दो कमेटियों का गठन किया गया है। इस योजना के जनपद बुलन्दशहर में लागू किये जाने से आपराधिक गतिविधियों और साम्प्रदायिक तनाव आदि में कमी परिलक्षित हुई है, जिसकी जनता के प्रतिनिधियों द्वारा प्रशंसा की गयी है।

3. उक्त कमेटियों के गठन के फलस्वरूप व्यवहारिक धरातल पर हुई उपलब्धियां के दृष्टिगत आप अपने-अपने जनपद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद बुलन्दशहर की भाँति एस-7 एवं एस-10(सम्भ्रान्त पुलिस मित्र)की कमेटियां ग्राम एवं शहरी स्तर पर गठित करने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार कराते हुए इन कमेटियों के साथ जनपदीय पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से गोष्ठी आयोजित कर शान्ति-व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द्र बनाये रखने हेतु प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। इस सम्बन्ध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद बुलन्दशहर की कृत कार्यवाही विषयक आख्या एवं निर्गत निर्देशों आदि की छायाप्रति तदनुसार अग्रेतर कार्यवाही के निमित्त संलग्नकर प्रेषित हैं।

संलग्नक:यथोपरि।

(जगमोहन यादव)
पुलिस महानिदेशक,
उत्तर प्रदेश।

प्रतिलिपि: समस्त जोनल पुलिस महानिरीक्षक/परिक्षेत्रीय पुलिस उपमहानिरीक्षक, उ0प्र0 को संलग्नकों की छायाप्रति सहित अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु।

संलग्नक:यथोपरि।

द्वारा फैक्स/विशेष वाहक

कार्यालय वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद बुलन्दशहर

पत्रांकः एसटी-एसएसपी-2(4)/2015

दिनांकः जुलाई 01, 2015

सेवा में

पुलिस महानिरीक्षक, कानून व्यवस्था
मुख्यालय पुलिस महानिदेशक
उ0प्र0 लखनऊ ।

कृपया अपने फैक्स पत्र संख्याः डीजी-आठ-94(38)2015 दिनांक 25.06.15 का सन्दर्भ ग्रहण करने की कृपा करें, जो श्री दिलनवाज खान, विधायक स्याना, बुलन्दशहर द्वारा नियम 301 के अन्तर्गत प्रमुख सचिव उ0प्र0 विधान सभा, लखनऊ से कानून व्यवस्था में सुधार लाने तथा साम्पदायिक सौहार्द बनाने हेतु समस्त उ0प्र0 में पुलिस विभाग द्वारा कमेटी गठन की मॉग करते हुए जनपद बुलन्दशहर के ग्रामों में आपसी साम्प्रदायिक भाईचारा कायम करने तथा वादमुक्त, अपराध मुक्त माहौल बनाने के उद्देश्य से सम्भ्रान्त पुलिस मित्र बनाकर गठित की गयी एस-7, एस-10 कमेटी के सम्बन्ध में तथ्यात्मक आख्या उपलब्ध कराये जाने विषयक है।

2. उपरोक्त सम्बंध में वांछित आख्या सलंग्न कर सादर अवलोकनार्थ प्रेषित है।

सलंग्नकः यथोपरि।
1- एस-7 को वितरित किया गया परिपत्र
2- एस-10 को वितरित किया गया परिपत्र
3- आई-कार्ड
4- वितरित किए जाने वाला प्रशस्ति पत्र
5- थानों में एस-7 व एस-10 की गोष्ठी से संबंधित फोटो व समाचारपत्र की पेपर कटिंग की छायाप्रति 10 वर्क।

पुलिस महानिरीक्षक
कानून एवं व्यवस्था, उ0प्र0
2/7

(अनन्त देव)
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
बुलन्दशहर

एस-7/एस-10 (एस - सम्भ्रान्त पुलिस मित्र)

एस-7

प्रायः ग्राम स्तर पर यह देखने में आता है कि ग्रामवासी आपसी वाद-विवाद में थाना, कचहरी एवं जेल के चक्कर लगाते हुए ही उनकी पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती रहती है, जो उनके वैयक्तिक, सामाजिक एवं पारिवारिक विकास में एक बड़ी बाधा है। इस पृष्ठभूमि में पुलिस के संसाधनों की कमी व कानून का राज प्रभावी तौर पर गांव स्तर पर नही हो पाना बड़े कारण रहे है। इस पृष्ठभूमि से सामुदायिक पुलिसिंग का यह स्वरूप सम्भ्रान्त पुलिस मित्र ग्राम स्तर पर बनाया जाना आवश्यक ही नही बल्कि वर्तमान परिवेश में अपरिहार्य प्रतीत होता है। ग्रामवासियों को वाद मुक्त करना अपराध मुक्त करने की प्रथम श्रेणी है। अतः

"गांव का झगडा गांव में सुलझाये,
कोर्ट कचहरी हम क्यों जायें"

इस नारे को व्यवहारिक रूप में चरितार्थ करते हुए जनपद बुलन्दशहर में एस-7 का गठन किया गया है।

इसमें प्रत्येक ग्राम स्तर पर विगत ग्राम सभा के चुनाव में प्रधान पद के समस्त प्रत्याशीगण को लिया गया है, जिससे ग्राम स्तर पर राजनैतिक प्रतिनिधित्व हो सके। इसके अतिरिक्त ग्राम की जनसंख्या व समस्याओं के अनुरूप अन्य सम्भ्रान्त व्यक्तियों को भी लिया गया है। प्रायः देखने में आया है कि राजनैतिक रूप से सक्रिय व्यक्ति ही दूसरो की समस्या के समाधान में आगे आते है और इस प्रकार से एस-7 की पंचायत के माध्यम से समस्याओं के किये गये समाधान को प्रभावी तौर पर ग्राम स्तर पर लागू भी कर पाते है। यह वे गांव के सम्भ्रान्त लोग है जिनके कंधो पर ग्रामवासी 05 वर्ष के लिए ग्राम के सर्वतोन्मुखी विकास की बागडोर इन्ही में से किसी सदस्य को ग्राम प्रधान के रूप में देना चाहते है। इस प्रकार से इनके चयन के माध्यम से एक तरफ ग्राम के सभी लोगो का प्रतिनिधित्व हो जाता है और दूसरी ओर से यह समिति प्रभावी भी होती है। ग्राम प्रधान के पास एक रजिस्टर रखा जाता है तथा साप्ताहिक या पाक्षिक रूप से ग्राम पंचायत भवन या अन्य सार्वजनिक स्थान पर गांव की छोटी-छोटी समस्याओं के लिए बैठक की जाती है। इन सभी को पुलिस अधीक्षक का हस्ताक्षरित आई-कार्ड दिया जाता है। इनके उत्तरदायित्वों/कर्तव्यों के बारे में एक परिपत्र प्रिंट कराकर दिया गया है तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वंय इन सभी के साथ प्रत्येक थाने पर जाकर गोष्ठी की गयी है तथा सभी को उनके कर्तव्यों और उत्तरदायित्वों के बारे में भली भांति बताया गया है। सभी ग्राम चौकीदारों को अवगत कराया गया है कि वह सभी एस-7 के बारे में गांव में बतायें कि वे एस-7 चयनित किए गए हैं तथा होने वाली मीटिंग में उपस्थित रहें। संबंधित वीट आरक्षी व चौकीदार एस-7 के सम्पर्क में रहें, सभी कान्स0 के फोन में एस-7 के मो0नं0 फीड हो जिससे पुलिस और एस-7 के बीच में कोई दूरी न रहे अच्छा सम्पर्क बना रहे। एस-7 जिन समस्याओ का अपने स्तर पर समाधान कर अन्तिम रूप नहीं दे पाते है तो सम्बन्धित थाने की पुलिस उस समस्या के समाधान को लागू कराने में उनका सहयोग करती है तथा जनता के विश्वास को जीतने के क्रम में एस-7 महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है तथा एस-7 के लोगों के माध्यम से हम काफी हद तक आपसी रंजिश

के कारण गलत नामजदगी तथा गलत व्यक्ति को जेल भिजवाने की व्यक्ति विशेष की हट को रोक सकते है। जनपद बुलन्दशहर में एस-7 के कुल 11200 सदस्य है।

इस प्रकार से सामुदायिक पुलिसिंग के इस स्वरूप के प्रभावी होने के पश्चात से अब तक जनपद बुलन्दशहर में लगभग 1585 ग्रामों में प्रत्येक ग्राम में 10 से 50-60 तक छोटी-मोटी समस्याओं का समाधान हुआ है तथा 10-12 साल एवं 40 साल से चली आ रही समस्याओं का भी समाधान हुआ है, जिससे आपसी कटुता, ईर्ष्या व वैमनस्यता में कमी आयी है तथा पुलिस थाना व पुलिस अधिकारियों के पास भी लोगो का अपनी समस्याओ के समाधान हेतु आने में कमी आयी है और एक अच्छी समरसता का माहौल ग्राम स्तर पर तैयार हुआ है, जिसके कारण शरीर सम्बन्धी अपराधो में विशेषकर हत्या के अपराधों में वर्ष 2014 की तुलना में वर्ष 2015 में विगत 06 माह में 88 के स्थान पर 52 अपराध घटित हुए हैं।

एस-10

इसीतरह जनपद में साम्प्रदायिक सद्‌भाव कायम रखने के लिएएस-10 का गठन किया गया है।

वर्तमान परिवेश में शहरो में ही नही बल्कि गांव में भी साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रखना एक बडी चुनौती महसूस की जा रही है। पीस कमेटी की मीटिंग थाना स्तर पर कुछ विशेष लोगों के रूप में ही अधिक जानी जाती है तथा यह कमेटी पूरे थाना क्षेत्र में प्रभावी तौर पर साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रखने में प्रभावी नही होती है। शान्ति समिति के सदस्यगण समस्याग्रस्त गांवो या साम्प्रदायिक तनाव के गांवो से दूर के भी होते है, जिसके कारण से न तो उनका प्रभाव वहॉ पर होता है और न ही घटना व साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने के समय वह वहॉ पर उपस्थित होते है। यह अधिकांशतः घटना घटित होने के उपरांत डैमेज कन्ट्रोल में ही सहयोगी/प्रभावी हो पाते हैं, घटना घटित होने एवं प्रभावी तौर पर छोटी घटना को बड़ा रूप लेने से रोकने में इनकी भूमिका सामान्यतः अपेक्षित रूप में प्रभावी नहीं पायी जाती है। इन तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए सर्वप्रथम थाना क्षेत्र के साम्प्रदायिक रूप से संवेदनशील विशेष कर मिश्रित जनसंख्या वाले पाकेट, मौहल्ला, ग्रामो को चिन्हित किया गया है। उन चिन्हित स्थलों के ही वही पर निवास कर रहे 5-5 हिन्दू-मुस्लिम दोनो समाज के प्रभावशाली, जिम्मेदार व्यक्तियों का चयन कर एस-10 का गठन किया गया है(यह संख्या सम्बन्धित क्षेत्र की आबादी के अनुसार कम-ज्यादा हो सकती है) तथा उनको आई-कार्ड दिया गया है, उनके उत्तरदायित्व व कर्तव्यो के निर्वहन के लिए एक परिपत्र बनाकर दिया गया है। उनकी भी पुलिस अधीक्षक द्वारा गोष्ठी थाना स्तर पर एवं थानाध्यक्ष द्वारा उनके निवास के ग्राम पर जाकर की गयी है। इसके अतिरिक्त 26 जनवरी, 15 अगस्त तथा अन्य राष्ट्रीय पर्वो पर होने वाले आयोजन में इनके सराहनीय कार्य के लिए सम्मानित कर जनसामान्य को इस ओर जागरूक किया गया है। सभी ग्राम चौकीदारों को अवगत कराया गया है कि वह सभी एस-10 के बारे में गांव में बतायें कि वे एस-10 चयनित किए गए हैं तथा होने वाली मीटिंग में उपस्थित रहें। संबंधित वीट आरक्षी व चौकीदार एस-10 के सम्पर्क में रहें, सभी कान्स0 के फोन में एस-10 के मो0नं0 फीड हो जिससे पुलिस और एस-10 के बीच में कोई दूरी न रहे अच्छा सम्पर्क बना रहे।

प्रायः साम्प्रदायिक दंगे की पृष्ठभूमि में छोटी-छोटी समस्या यथा लड़की से छेड़-छाड़, बच्चों से मार-पीट या अन्य छोटे-छोटे विवाद होते है उन विवादो का समाधान वहीं पर निवास कर रहे दोनो सम्प्रदायों के लोगो द्वारा तत्कालिक तौर पर किये जाने से समस्या बड़ा रूप नही ले पाती है। दोनो समुदाय के लोगो को इन एस-10 द्वारा असामाजिक तत्वों का चिन्हीकरण करने व उनकी अफवाहों पर ध्यान न देकर जनता को सही तथ्यों से अवगत कराने एवं गलत को गलत व सही को सही दोनों पक्षों के लोग साम्प्रदायिक संकीर्णता से आगे बढ़कर सार्वजनिक रूप से, मीडिया एवं जनप्रतिनिधियों से कहने, जो लोग अफवाह फैलाते हो उनका नाम गुप्त रूप से थानाध्यक्ष व उच्चाधिकारियों को बताने, घटना के संबंध में उत्तेजना/अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों का चिन्हीकरण कर उनकी भर्त्सना करने एवं अफवाहों को फैलने से रोकने के लिए जिम्मेदार बनाया गया है। सामुदायिक पुलिसिंग के इस स्वरूप के गठन के पश्चात विगत पांच माह में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाली कोई बड़ी घटना जनपद में घटित नही हुई है, जो भी छोटी-मोटी समस्यायें, वाद-विवाद, मुकदमें लिखे गये है, उनका निष्पक्ष रूप से निस्तारण पुलिस द्वारा इन एस-10 के सहयोग से तत्परतापूर्वक कर दिया गया।

सामुदायिक पुलिसिंग के इन दोनो एस-7, एस-10 के गठन व ग्राम स्तर पर प्रभावी होने के साथ विगत पांच माह में एक तरफ साम्प्रदायिक सौहार्द जनपद बुलन्दशहर के समस्त ग्रामों में कायम रहा है, वही दूसरी तरफ ग्राम स्तर पर हजारो की संख्या में छोटे-छोटे विवादो का समाधान होने से आपसी वैमनस्यता व कटुता में कमी आयी है और एक अच्छा समरसता का वातावरण ग्राम स्तर पर तैयार हुआ है।

जनपद बुलन्दशहर में इस तरह की लगभग 647 एस-10 कमेटियाँ गठित की गयी है, जिनके कुल 6470 सदस्य है, जिनके माध्यम से जनपद की साम्प्रदायिक स्थिति की सततः निगरानी की जा रही है और एक आत्मविश्वास रहता है कि हमारे 10 बन्दे वहाँ मौजूद है, जो किसी भी आकस्मिकता पर पहला मोर्चा संभाल सकते है और पुलिस के पहुँचने तक स्थिति नियंत्रण में रखते है। इसी तरह एस-10 के माध्यम से साम्प्रदायिक तनाव की सम्भावना को शून्य किया जा सकता है। वर्तमान समय में यह व्यवस्था जनपद बुलन्दशहर में पूरी तरह से लागू की गई है और इसका प्रभाव भी पूरी तरह से देखने को मिल रहा है।

इतना ही नही ग्रुप एस0एम0एस0 के माध्यम से एस-7, एस-10 से जुड़े रहकर होली आदि विभिन्न त्यौहारो पर छोटे-छोटे एस0एम0एस0 भेजकर साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने हेतु सबको सचेत किया जाता है व उनसे अपेक्षित सहयोग लिया जाता है। एस-7 द्वारा लूट, डकैती, चोरी, नकबजनी आदि के अपराध व अपराधियों के बारे में आवश्यक जानकारी समय रहते देकर कई गैंग को घटना करते समय पकडवाया गया है और कई के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी देकर तथा पुरस्कार घोषित अपराधियों को भी गिरफ्तार कराये जाने में प्रभावी भूमिका अदा की गयी है। इससे एक तरफ पुलिसकर्मी का आत्मविश्वास बढा है वही दूसरी तरफ अपराधियों का मनोबल गिरा है व जनता और पुलिस के बीच की दूरी कम हुई है, जिससे कोई भी पुलिस मुजाहमत की घटना विगत कई माह से जनपद में घटित नही हुई है।

(अनन्त देव)
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
बुलन्दशहर

सामुदायिक पुलिसिंग का ग्राम स्तर पर स्वरूप

(एस-07)

"गांव का झगड़ा गांव में सुलझायें
कोर्ट कचहरी हम क्यों जाये"

1. ग्राम स्तर पर विद्यमान समस्त विवादों की जानकारी कर लिया जाये। विवाद परिलक्षित होने पर बीट आरक्षी/ग्राम चौकीदार के संज्ञान में लाये एवं राजस्व कर्मी की मदद से विवाद का निस्तारण कराने का हर सम्भव प्रयास करें।
2. छोटे-छोटे विवाद जैसे जमीन, आपसी बटवारे, मामूली झगड़ा-फसाद के प्रकरणों में स्थानीय बीट आरक्षी/चौकीदार के सहयोग से दोनों पक्षों की बात सुनकर निष्पक्ष समझौता कराने का प्रयास करें एवं पंचायत करके राजस्व कर्मी की मदद से निष्पक्ष निर्णय लेकर समस्या का समाधान कराये। ग्राम प्रधान इस प्रकार चिन्हित/समाधान किये गये विवादों को एक रजिस्टर में अंकित करेंगे।
3. यदि विवाद गम्भीर है तो दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद यदि मामलें का निस्तारण सम्भव नहीं है तब प्रकरण को थाना प्रभारी के संज्ञान में लाकर यथोचित विधिक कार्यवाही करायी जाये।
4. यदि किसी प्रकरण में धारा 107/116 सीआरपीसी की कार्यवाही की जाने की आवश्यकता है तथा एस-7 की महानुभाव अपनी जिम्मेदारी पर किसी व्यक्ति को पाबन्द न किये जाने हेतु अनुरोध करते है तो सम्बन्धित व्यक्ति को पाबन्द किये जाने की कार्यवाही नही की जायेगी।
5. ग्राम चौकीदार एस-7 के सभी महानुभाव की सदस्यता एवं दायित्व के बारे में ग्राम में प्रचार-प्रसार करेंगें।
6. ग्राम में संदिग्ध व्यक्तियों के आने की सूचना पर उस व्यक्ति पर सतर्क दृष्टि रखे तथा थाना प्रभारी को भी अवगत कराये। इसका दायित्व ग्राम चौकीदार एवं एस-7 के सदस्यों का है।
7. शराब पीकर गुण्डा गर्दी करने वाले, निर्बल वर्ग को सताने वाले, महिलाओं के विरूद्ध अपराध करने वाले तथा स्कूल की लड़कियों से छेड़छाड़ करने वाले अपराधिक तत्वों की जानकारी थाना प्रभारी तथा उनके अभिभावकों को सूचना देकर सामाजिक/पारिवारिक/नैतिक दवाब डाले जिससे इसकी पुनरावृत्ति न कर सकें।
8. एस-7 के महानुभाव ग्राम चौकीदार, बीट उ0नि0, आरक्षी, थानाप्रभारी के मोबाईल नम्बर अपने पास रखे व अपने मोबाईल फोन पर रक्षित (सेव) रखे तथा अपने गांव में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने में चौकीदार, बीट उ0नि0, बीट आरक्षी का सहयोग लेकर एस-7 की जिम्मेदारी का निर्वहन करने में आगे आये।
9. एस-7 के महानुभाव अपने गांव के बीट आरक्षी एवं बीट उ0नि0 के लगातार सम्पर्क में रहे व सप्ताह में कम से कम एक बार आपस में वार्तालाप भी करें।
10. आगामी त्यौहारों में कोई नई परम्परा न पड़ने पाये। इसमें पुलिस/प्रशासन का सहयोग करें।
11. गौकशी व अवैध पशु तस्करी के अपराधियों के बारे में थाना प्रभारी को जानकारी दे।
12. एस-7 के महानुभावों को थाना स्तर से एवं क्षेत्राधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक व मेरे द्वारा स्वयं विधिक सहयोग प्रदान किया जायेगा तथा एस-7 के जिन महानुभावों द्वारा अच्छी सेवा की जायेगी उन्हे 26 जनवरी जैसे राष्ट्रीय पर्वो पर सम्मनित किया जायेगा।

आशा है कि आप सभी महानुभाव क्षेत्र की शन्ति व्यवस्था बनाये रखने में अपना अमूल्य समय एवं सहयोग प्रदान करेंगें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
बुलन्दशहर की ओर से

साम्प्रदायिक सद्भाव बनाने के लिए सामुदायिक पुलिसिंग का ग्राम स्तर पर स्वरूप
(एस-10)

1. एस-10 के महानुभाव अपने ग्राम स्तर के पूर्व में हुए साम्प्रदायिक विवादों तथा वर्तमान परिवेश की जानकारी रखें। साम्प्रदायिक घटना में पूर्व में शामिल रहे असामाजिक तत्वों के नाम जानकारी कर थानाप्रभारी को अवगत कराये।
2. यदि अचानक कोई साम्प्रदायिक घटना होती है तो दोनों समुदाय के ऐसे महानुभाव शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु सार्थक प्रयास करेगें एवं पुलिस को सूचना देगें।
3. अवांछिनीय एवं असमाजिक व्यक्तियों को एकत्र न होने दे।
4. ऐसे उपरोक्त महानुभाव अवांछिनीय तत्वों की एवं घटना की अपने स्तर से मोबाईल फोन एवं कैमरा से फोटो ले लें तथा गोपनीय रूप से पुलिस को प्रदान करें।
5. असामाजिक तत्वों का चिन्हीकरण करे व उनकी अफवाहों को ध्यान न देकर जनता को सही तथ्यों से अवगत कराये एवं ***गलत को गलत व सही को सही*** दोनों पक्षों के लोग साम्प्रदायिक संकीर्णता से आगे बढकर सार्वजनिक रूप से, मीडिया एवं जनप्रतिनिधियों से कहे, जो लोग अफवाह फैलाते हो उनका नाम गुप्त रूप से थानाध्यक्ष एवं उच्चाधिकारीगण को बतायें। घटना के सम्बन्ध में उत्तेजना/अफवाहे फैलाने वाले व्यक्तियों का चिन्हीकरण कर ले एवं उनकी भर्त्सना करें। किसी भी दशा में अफवाहों को फैलाने से रोका जायें।
6. घटना होने के उपरान्त पुलिस के पहुंचने तक अपने स्तर से घटना को नियंत्रित करने का सार्थक प्रयास करते रहे।
7. मन्दिर/मस्जिद के पूजारी एवं मौलवी का नाम व मोबाईल नम्बर अपने पास रखे तथा थानाप्रभारी को भी अवगत कराये। मन्दिर/मस्जिद पर लगें ध्वनि विस्तारक यंत्रों का दुरूपयोग न होने दे।
8. साम्प्रदायिक घटना होने पर पुरानी रंजिश को इस घटना में बदले की भावना से न जोड़े।
9. दोषी के विरूद्ध पुलिस कार्यवाही होने पर जनता में इसकी सराहना की जाये।
10. आगामी त्यौहारों में कोई नई परम्परा न पड़ने पाये। इसमें पुलिस/प्रशासन का सहयोग करें।
11. लडकियो से सम्बन्धित छेडछाड एवं गौकशी व अवैध पशु तस्करी के अपराधियों के बारे में थाना प्रभारी को जानकारी दें।
12. साम्प्रदायिक तनाव की स्थिति होने पर किसी प्रकार के साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण को रोका जाये। दोनों पक्षों से लगातार वार्ता/गोष्ठी करके अवलिम्ब स्थिति को सामान्य करने के प्रयास किया जाये।

आशा है कि आप सभी महानुभाव क्षेत्र की शन्ति व्यवस्था बनाये रखने में अपना अमूल्य समय एवं सहयोग प्रदान करेगें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
बुलन्दशहर की ओर से

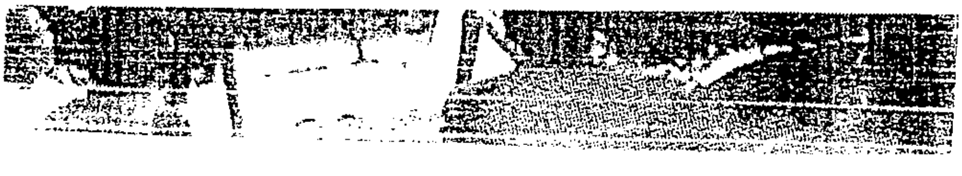

महत्वपूर्ण नम्बर

पुलिस कन्ट्रोल रूम	-	100, 9454403177, 9454402433
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आवास	-	05732-260338, 282304
पुलिस कार्यालय	-	05732-260705
फायर स्टेशन	-	101

नोट- अवैध पेड़ काटना, जुआ, अवैध शराब, रंगदारी टैक्स, गुण्डागर्दी, अवैध शस्त्र, संदिग्ध व्यक्ति, अपराधी, घुमन्तू गैंग, अवैध कारोबार, लड़कियों से छेड़छाड़, गौवध, आग लग जाना, मारपीट, चोरी, लूट, डकैती, बलात्कार या कोई अन्य अपराध यदि आपकी जानकारी में आता है तो तत्काल उक्त नम्बरों पर सूचना दें। आपका नाम गुप्त रखा जायेगा। जब भी आप थाने पर जायें थानाध्यक्ष द्वारा इनकी बात अवश्य सुनी जाये।

परिचय पत्र

पुलिस मित्र

जनपद - बुलन्दशहर

नाम -

पता -

थाना -

फोटो
थानाध्यक्ष
द्वारा
प्रमाणित

सामुदायिक पुलिसिंग के क्रम में अपराध नियंत्रण, कानून व्यवस्था, आपदा प्रबन्धन एवं जनता की समस्याओं के समाधान में सहयोग हेतु आपको **सम्भ्रान्त पुलिस मित्र** चयनित किया जाता है।

जारी होने का दिनांक : 20.12.2014

वैद्यता का दिनांक : 19.12.2015

(अनन्त देव)
आई.पी.एस.
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बुलन्दशहर

गणतन्त्र दिवस समारोह वर्ष 2015

जनपद - बुलन्दशहर

प्रशस्ति-पत्र

श्री...द्वारा वर्ष 2014 के दौरान जनपद में अपराधिक घटनाओं के अनावरण, लूटे गये माल की बरामदगी व अपराधियों को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय योगदान दिया गया, जिसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाती है।

मैं इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

अनन्त देव
(आई०पी०एस०)
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक
बुलन्दशहर

मुद्रक : भगवत प्रेस, बुलन्दशहर, मो०-9412228734

खुर्जा जागरण

कम्युनिटी पुलिसिंग की खुर्जा से शुरुआत

* एसएसपी बोले, गांव का झगड़ा गांव में निपटाएं

संवाद सहयोगी, खुर्जा : कोतवाली परिसर में सोमवार को समाज और पुलिस के बीच संबंधों को सुधारने और साम्प्रदायिक सदभाव के लिए गोष्ठी हुई। इस दौरान पुलिस मित्र की भावना को प्रबल और विकसित रखने के लिए एस-7 और एस-10 के रूप में दो प्रकार के समूहों का गठन किया गया। दूसरी ओर थाना खुर्जा देहात में भी संभ्रात लोगों के साथ एसएसपी ने गोष्ठी का आयोजन किया।

एसएसपी अनंत देव तिवारी ने जनपद में पुलिस व्यवस्था और झगड़ों के निपटारे के लिए एक पहल की है। इस पहल का मुख उद्देश्य समाज में पुलिस को स्वीकार्यता बढ़ाकर साम्प्रदायिक सदभाव बनाए रखना, अपराधों पर नियंत्रण और छोटे-मोटे लड़ाई झगड़ों का गांव और मोहल्ले में ही निपटाना है। इसके लिए उनके द्वारा एक स्लोगन 'गांव का झगड़ा गांव में निपटाएं, कोर्ट कचहरी हम क्यों जाएं' रखा गया है। इस पहल को सफल बनाने के लिए उनके द्वारा एस-7 और एस-10 समूहों का गठन किया गया है। जिसमें पूरे जनपद में 15 हजार पुलिस मित्रों की सहभागिता का लक्ष्य रखा गया है। खुर्जा में इस पहल को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए सोमवार को एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान संभ्रात लोगों को संबोधित करते हुए एसएसपी अनंत देव तिवारी ने कहा कि संभ्रात लोगों के लिए पुलिस हमेशा तत्पर है। कोई भी निर्दोष व्यक्ति अब जेल नहीं जाएगा। साथ ही अपराधी और समाज में कुटनीति की भावना पैदा करने वाले आरोपियों पर किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

दूसरी ओर थाना खुर्जा देहात परिसर में भी ग्रामीणों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर एसपी देहात अशोक कुमार सिंह, एसडीएम इंदुप्रकाश सिंह, सीओ/एएसपी शैलेंद्र श्रीवास्तव, कोतवाली प्रभारी सुधीर कुमार त्यागी, एसओ देहात वीरेंद्र कुमार यादव, एसएसआई ओंकार सिंह, एस... राकेश कुमार, जंक्शन चौकी प्रभारी रामनिवास, चेयरमैन हाजी रफीक फड्डा, पूर्व चेयरमैन दीपक गर्ग, सपा नेता फईमुद्दीन फ...म्मन, भाजपा नेता हरजीत सिंह टीटू, मोज्जम अली, युसूफ सलमानी, नदीम हुसैन, नंदकिशोर गुप्ता, सुरेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

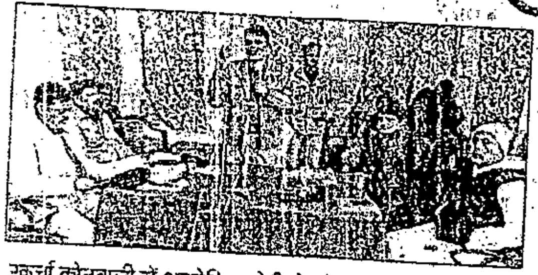

खुर्जा कोतवाली में आयोजित गोष्ठी में लोगों को संबोधित करते एसएसपी अनंतदेव तिवारी व गोष्ठी में शामिल क्षेत्र के लोग।

कड़ाके की ठंड में भी उमड़ी भीड़

कोतवाली परिसर में अपराध नियंत्रण के लिए आयोजित गोष्ठी में कड़ाके की ठंड होने के बावजूद भी काफी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान लोगों ने अपराध नियंत्रण करने के लिए पुलिस को हर संभव सहयोग देने की बात कही। संभ्रात लोगों ने एसएसपी द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान की सराहना की और इसे जनता के हित में बताया।

मैंने खुशबू के बंद खोल दिए, अब हवा तेरी जिम्मेवारी

एसपी देहात अशोक कुमार सिंह ने कहा कि मैंने खुशबू बंद खोल दिए, अब हवा तेरी जिम्मेवारी। उपस्थित लोगों को इन दो पंक्तियों का मतलब समझाते हुए कहा कि एसएसपी अनंत देव तिवारी द्वारा क्राइम कंट्रोल के लिए जनता के लिए द्वार खोल दिए है। अब जनता के हाथों में है कि वह किस तरह से इस अभियान को सफल बनाती है।

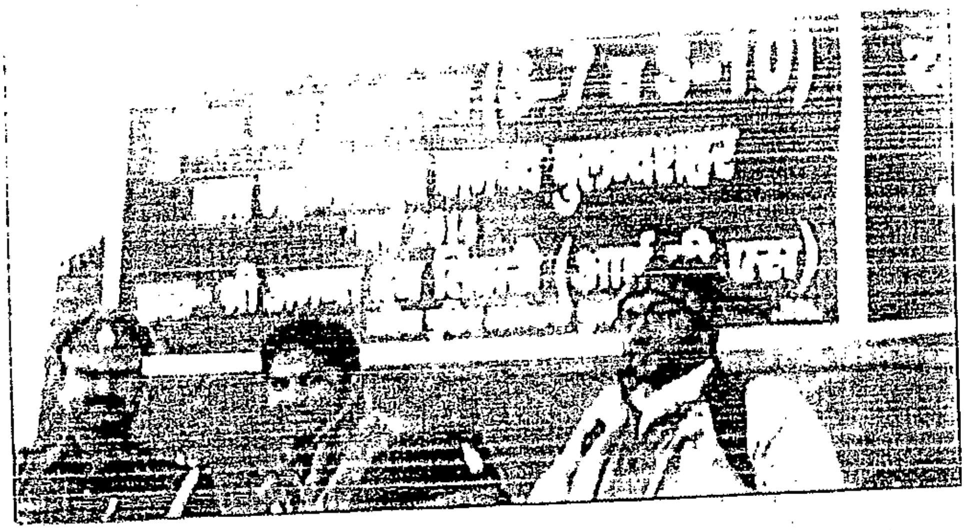

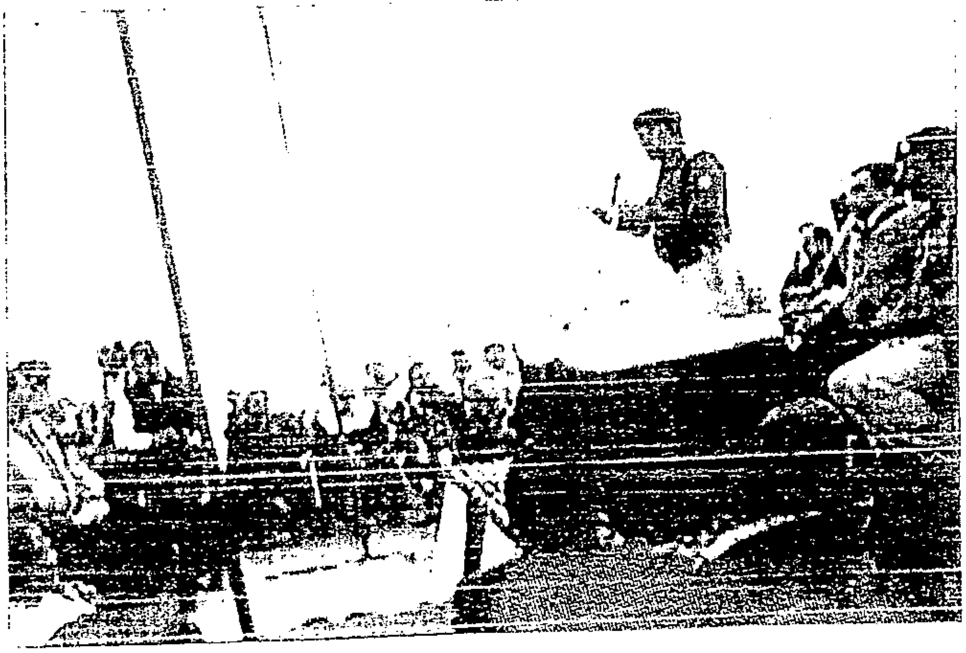

बुलंदशहर के एसएसपी बोले- गांव और नगर में पुलिस मित्र की नहीं होगी अनदेखी

सम्मान करे पुलिस, तो निभाएंगे मित्रता

सिकंदराबाद/ककोड़ | हिंटी

सिकंदराबाद व ककोड़ में आयोजित पुलिस मित्र सम्मेलन में आए संभ्रात लोगों ने अपनी बात बेबाक रूप से पुलिस कप्तान के सामने रखी। कहा कि गांव से कोतवाली आने तक पुलिस का रूप बदल जाता है। जब तक पुलिस सम्मान करना नहीं सिखेगी, तब तक पुलिस का लोगों को मित्र बनाने का सपना सपना ही रहेगा।

गुरुवार को सिकंदराबाद स्थित पायल वैंकट हॉल में पुलिस मित्र सम्मेलन में एसएसपी अनंत देव तिवारी ने कहा कि पुलिस मित्रों को कदाचित नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। यदि ऐसा होगा, तो अधिनस्थों पर कार्रवाई होगी। पुलिस मित्रता के तहत व्यवहार नहीं करती, परेशान करती है, तो सीधे उन्हें अवगत कराएं, कार्रवाई हर संभव होगी। पुलिस मित्र बनाकर पुलिस गांव व शहर में अपनी ताकत बढ़ाना चाहती है। ताकि छोटे मोटे विवाद सुलझाने में पुलिस पर दबाव कम हो। उन्होंने ककोड़ में ग्रामीणों से लाइसेंसी हथियारों से गांव की सुरक्षा करने के लिए प्रेरित किया। एसपी सिटी राजेश कुमार ने गांव व नगर क्षेत्र में बनाई गई एस 7 और एस 10 की टीमों के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए दी गई जिम्मेदारी का वहन करने की अपील की। मौके पर रणवीर सिंह, एजाजुद्दीन मैंबर, बल्लू अंसारी, तरसेराम गुर्जर, टीटू भैया समेत नगर व देहात में बने सैकड़ों पुलिस मित्र व संभ्रात लोग मौजूद रहे। उधर, ककोड़ प्रेम गार्डन में पुलिस मित्र सम्मेलन का आयोजन हुआ। जिसमें नगर पंचायत चेयरमैन कुंवर रिजवान ने एसएसपी, एसपी सिटी, सीओ को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

पुलिस मित्र सम्मेलन

- सम्मेलन में बेबाक तरीके से रखे लोगों ने विचार
- सिकंदराबाद में आयोजित सम्मेलन में दिए कुछ टिप्स

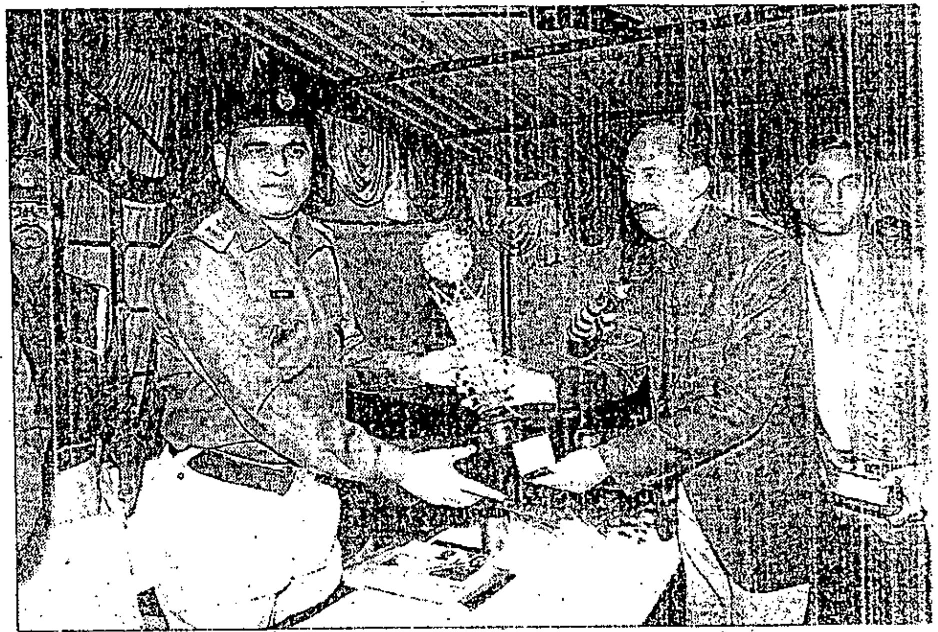

ककोड़ में पुलिस मित्र सम्मेलन के दौरान एसएसपी को सम्मानित करते चेयरमैन कुंवर रिजवान। • हिन्दुस्तान

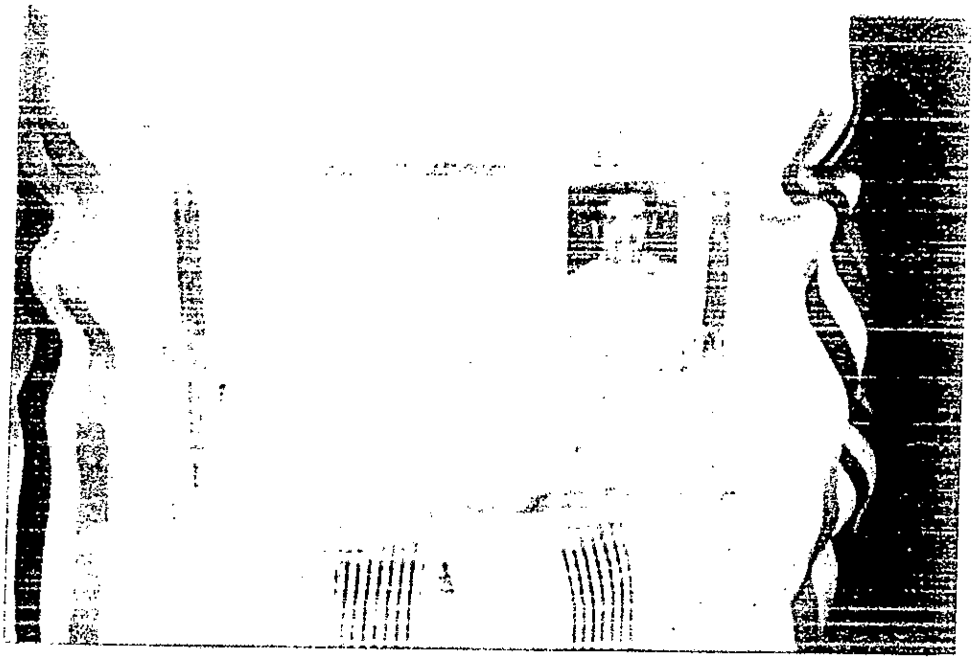

सिकंदराबाद-गुलावठी जागरण

पुलिस व समाज में सुधार जरूरी : एसएसपी

संवाद सूत्र, शिकारपुर : सलेमपुर के एसकेडी पब्लिक इंटर कालेज में शनिवार को पुलिस मित्र सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें लोगों को संबोधित करते हुए एसएसपी अनंत देव तिवारी ने कहा कि अपराध पर नियंत्रण करने के लिए पुलिस और समाज में सुधार की आवश्यकता है।

शनिवार को एसकेडी पब्लिक इंटर कालेज में पुलिस मित्र सम्मेलन में बोलते हुए एसएसपी ने कहा कि अपराधी किसी धर्म या समाज के नहीं होते। इसलिए उन्हें किसी समाज या वर्ग से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। विभाग द्वारा बनाए गए पुलिस मित्र अपने कर्तव्य का सही ढंग से निर्वहन करेंगे तो जल्द ही जिले से अपराध और अपराधियों को नष्ट किया जा सकता है।

- सलेमपुर के एसकेडी पब्लिक इंटर कालेज में पुलिस मित्र सम्मेलन

पुलिस अधीक्षक खुर्जा अशोक कुमार शुक्ला व पुलिस उपाधीक्षक रफल सिंह तोमर ने कहा

सम्मेलन को संबोधित करते एसएसपी।

कि कोई भी व्यक्ति पुलिस मित्र बन सकता है। कालेज के प्रबंधक विजय कुमार आदि द्वारा पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान की प्रशंसा की। अध्यक्षता रनवीर सिंह ने की और संचालन प्र... कुमार शर्मा ने किया।

'गांव का झगड़ा गांव में सुलझाएं'

अमर उजाला ब्यूरो

बुलंदशहर। देहात में बढ़ते रंजिश के मामलों से निपटने के लिए नये एसएसपी अनंत देव तिवारी ने एस-7 और एस-10 का फार्मूला तैयार किया है। इसके तहत गांव के सभी समुदायों के निष्पक्ष लोगों की एक कमेटी गठित की जाएगी। यह कमेटी पुलिस के साथ गांव में बढ़ रहे आपसी रंजिश के मामलों का निपटारा करेगी। एसएसपी ने बुधवार को प्रेस वार्ता में नारा दिया 'गांव का झगड़ा गांव में सुलझाएं,..कोर्ट कचहरी हम क्यों जाएं'।

प्रेस वार्ता में नये एसएसपी अनंद देव तिवारी ने बताया कि फार्मूला एस-7 में छोटे-छोटे विवाद जैसे, ज़मीन, आपसी बंटवारे, मामूली झगड़ों में स्थानीय बीट आरक्षी/चौकीदार के सहयोग से दोनों पक्षों की बात सुनकर निष्पक्ष समझौते का प्रयास किया जाएगा। यदि इसके बाद भी अड़चन आती है तो इसकी जानकारी

एसएसपी अनंतदेव तिवारी।

थाना प्रभारी को दे दी जाएगी। फार्मूला एस-10 के तहत गांव के लोग पूर्व में हुए सांप्रदायिक विवादों और वर्तमान स्थिति की जानकारी थाना प्रभारी को देंगे। किसी भी घटना के बाद अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उसकी सामूहिक भर्त्सना की जाएगी। साथ ही अवांछनीय एवं असामाजिक व्यक्तियों को एकत्र होने नहीं दिया जाएगा। बड़ी घटनाओं में भी गांव वालों का सहयोग लिया जाएगा।

लोगों के साथ से ही जिले को बनाएंगे अपराध मुक्त

'अपराधियों के खिलाफ खड़े हों लाखों अमन पसंद लोग'

औरंगाबाद (ब्यूरो)। एसएसपी अनंत देव तिवारी ने कहा कि चंद अपराधियों के खिलाफ लाखों अमन पसंद लोग खड़े हो जाएं तो अपराधियों पर लगाम लग जाएगी। जनता के सहयोग से जिले को अपराध मुक्त बनाया जाएगा।

नगर के कल्याण मंडप में सोमवार को पुलिस मित्र सम्मेलन में एस 7 और एस 10 के तहत बनाए गए पुलिस मित्रों की बैठक लेते हुए एसएसपी ने कहा कि बुलंदशहर ग्रामीण बाहुल्य है। इसलिए गांवों और नगरों में छोटे मोटे विवादों को निस्तारित करने के लिए पुलिस मित्रों का गठन किया गया है। पुलिस मित्रों के सहयोग से हम 70 फीसदी विवादों का निपटारा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस मित्रों द्वारा अपराधी के संबंध में दी गई सूचना किसी स्तर से लीक हुई तो संबंधित पुलिसवाले को सीधे सस्पेंड किया जाएगा। नगर पंचायत चेयरमैन राजकुमार लोधी ने एसएसपी को ट्रॉफी भेंट की। कार्यक्रम में एसपी सिटी राजेश कुमार, एएसपी देहात अशोक कुमार, सीओ सिटी अभिषेक यादव, एसओ औरंगाबाद विजय बहादुर, चेयरमैन राजकुमार लोधी, सपा जिलाध्यक्ष पुत्र अफजल अली आदि रहे।

वैमनस्यता समाप्ति से होगा गांवों का विकास : एसएसपी

स्याना। कस्बे में आयोजित पुलिस मित्र सम्मेलन में एसएसपी अनंत देव ने कहा कि जिले में निर्दोष लोगों की नामजदगी नही होने दी जाएगी। अपराधी की सूचना देने वालों जानकारी लीक करने वाले सिपाहियों को सस्पेंड किया जाएगा। एस-7 व एस-10 के माध्यम से गांव में वैमनस्यता समाप्त करके गांवों को अपराध, भय व दंगा मुक्त बनाए। उन्होंने जिले को नियर जीरो क्राइम डिस्ट्रिक्ट बनाने की बात कही। विशिष्ट अतिथि एसडीएम जगतपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक धर्म में सत्कर्म को ही सर्वोपरि माना गया है। अच्छे वातावरण से गांव अपराध रहित रहेगा। विशिष्ट अतिथि एसपी सिटी राजेश कुमार ने कहा कि सभ्य समाज होने पर पुलिसिंग का प्रयोग कम होगा। व्यापार मंडल, शिक्षक संघ, ग्राम प्रधान संगठन की ओर से प्रतीक चिह्न दिए गए। वहां तहसीलदार अभयराज पांडे, चेयरपर्सन गुड़िया देवी आदि रहे।